डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 49 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | मंगलवार 28 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

डेढ़ किलो अफीम के साथ नाबालिग गिरफ्तार

मंदसौर, 27 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नई आबादी थाना पुलिस ने सोमवार को एक नाबालिग के कब्जे से तीन लाख रुपए कीमत की डेढ़ किलो से अवैध अफीम बरामद की है। नई आबादी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली थी की एक युवक फोर लेन हाईवे नयाखेड़ा के निकट अवैध अफीम की डेलीवरी देने वाला है। तत्काल घेराबंदी की की जाए तो सफलता मिल सकती है। मुखबीर सूचना पर पुलिस ने एक टीम बनाकर थाना क्षेत्र के महू-नीमच हाईवे नयाखेड़ा शराब दुकान के निकट घेराबंदी कर नजर रखी। इसी दौरान मुखबीर के बताए गए हुलिए वाला युवक दिखाई दिया जिसे पकड़ा गया। पुलिस की पूछताछ में बाल अपचारी नीमच निवासी नाबलिग निकला। जिसकी तलाशी लेने पर उसके कब्जे वाले बेग में 1 किलो 510 ग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद हुई। जब्त अफीम की कीमत तीन लाख रुपए आंकी गई है। बाल अपचारी अवैध मादक पदार्थ कहां से लेकर आया था और किसे देने जा रहा था, मामले में पुलिस पूछताछ कर रही है। प्रकरण में नई आबादी पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के आरोपी में एनडीपीएस एक्ट अंतर्गत प्रकरण दर्ज किया है।

प्रदेश की राजनीति में...

शुक्ल पिता-पुत्र बने सीएम, तीन-तीन बार रहे पद पर

रविशंकर तीन बार सीएम बने, जबकि चुनाव लड़े एक बार

मंदसौर, 27 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश की राजनीति में सिर्फ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. रवि शंकर शुक्ल परिवार ही ऐसा है, जिसमें पिता-पुत्र दोनों ही मप्र के मुख्यमंत्री बने। यूं तो मौजूदा सीएम शिवराजसिंह चौहान चौथी बार मुख्यमंत्री बने, लेकिन किसी राजनीतिज्ञ परिवार में पिता-पुत्र सीएम बने और वे भी तीन-तीन बार, ऐसा शुक्ल परिवार के अलावा कोई नहीं है। खास बात यह है कि पं. रवि शंकर शुक्ल ने तीन बार सीएम पद की शपथ ली, लेकिन वे चुनाव केवल एक ही बार लड़े है।

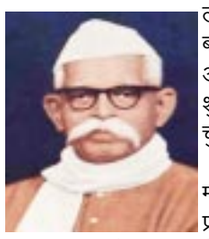

मप्र अस्तित्व में नहीं आया, उसके पहले भारत के मध्य भाग में तीन राज्य मध्य भारत, भोपाल और विंध्य प्रदेश थे। 1950 में चुनाव नहीं हुए। लेकिन, तब सरकार का गठन हुआ तो 26 जनवरी 1950 को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं. रविशंकर शुक्ल को मध्य भारत का मुख्यमंत्री बनाया गया। 1952 में मध्य भारत के चुनाव करवाए गए, तब पहली बार पं. रविशंकर शुक्ल ने सरायपाली से चुनाव लड़ा और जीतकर 31 मार्च 1952 को मध्य भारत के दूसरी बार बार सीएम बने और 31 अक्टूबर 1956 तक पद पर रहे। इसके बाद मप्र का गठन हुआ तो एक नवंबर 1956 को तीसरी बार उन्होंने सीएम पद की शपथ ली। 31 दिसंबर 1956 को सीएम रहते 79 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया।

श्यामाचरण राजिम से चुनाव लड़े जो अब छत्तीसगढ़ में है...

मप्र के पहले मुख्यमंत्री पं. रविशंकर शुक्ल के पुत्र श्यामाचरण शुक्ल 1957 में ही राजनीति में कदम रख चुके थे और तब वे राजिम सीट से पहला चुनाव जीते। अब यह सीट छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में है जो 2000 में राज्य बंटवारे के समय मप्र से छत्तीसगढ़ में चली गई। श्यामाचरण ने उसी सीट से 1967 में तीसरी बार चुनाव जीता और 26 मार्च 1969 में मुख्यमंत्री पद की पहली बार शपथ ली। ये कार्यकाल 28 जनवरी 1972 तक रहा। दूसरी बार वहीं से चुनाव जीतकर 23 दिसंबर 1975 से 30 अप्रैल 1977 तक वे मुख्यमंत्री रहे और फिर राष्ट्रपति शासन लग गया। तीसरा कार्यकाल 9 दिसंबर 1989 से शुरु होकर 5 मार्च 1990 तक रहा। इस तरह वे भी तीन बार सीएम रहे।

ना झूला.....ना शिवना में स्नान...बस बहाई टाटिया...

धार्मिक परंपरा: दिनभर शिवना घाट पर उमड़ता रहा महिलाओं का हुजूम, पशुपतिनाथजी के दर्शन कर लिया धर्म लाभ

महिलाओं ने आस्था के प्रतीक आटे के दीप जलाकर टाटिया सजाई और शिवना के प्रदूषित जल में प्रवाहित की

उमेश परमार

मंदसौर, 27 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मेले हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। कई धार्मिक आस्थाएं भी मेलों से जुड़ी है, परंतु इन्ही सांस्कृतिक और धार्मिक आस्थाओं को विलुप्त करने में नगर पालिका लगी हुई है। इसका जीता जागता उदाहरण जग प्रसिद्ध भूत भावन भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव के मेले में देखने को मिल रहा है। भले ही एकादशी से मेला प्रारंभ हो जाता है, परंतु इस बार अनुमति नहीं मिलने का राग अलाप कर कार्तिक पूर्णिमा पर मेला नहीं लग पाया।

सोमवार को कार्तिक पूर्णिमा पर मेला अपने पूरे शबाब पर होता है और हुआ भी यही, अंचल सहित नगर की जनता कार्तिक पूर्णिमा पर शिवना में स्नान करने और भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव के दर्शन करने तथा मेला घूमने केलिए उमड़ी। किन्तु, शिवना की गंदगी को देखकर जहां उनकी आस्था को धक्का लगा वही मेले में भी कोई रंगत नहीं दिखाई दी। झूला चकरी भी अभी स्थापित नहीं हो पाए, नहीं दुकानदार अपने डेरे तंबू लगा पाए। यहां तक की नपा कर्मी सोमवार दोपहर 2 बजे तक लॉटरी सिस्टम से दुकानों के आवंटन करने का काम करते दिखाई दिए। फिर भी अलसुबह से ही ब्रह्म मुहूर्त में महिलाओं की भीड़ उमडना शुरू हो गई। जहां शिवना में आस्था के प्रतीक आटे के दीप जलाकर टाटिया सजाई और प्रवाहित की और मंदिर गर्भगृह में जाकर पशुपतिनाथ महादेव के दर्शन कर धर्म लाभ लिया तथा पूजा अर्चना कर अपनी आस्था व्यक्त की। साथ ही मेले में तथा घाटों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात दिखाई दिया।

शिवना के पानी की रंगत देखकर आहट हुई आस्था...

हजारों की संख्या में कार्तिक पूर्णिमा के दिन शिवना नदी पर भीड़ उमड़ती है। श्रद्धालु भक्त महिलाए शिवना में डुबकियां लगाकर टाटिया प्रवाहित कर अष्टमुखी महादेव का दर्शन कर धर्म लाभ प्राप्त करती है। परंतु इस वर्ष शिवना के गंदे और कांजी युक्त तथा सडांध मार रहे पानी को देखकर तथा नदी किनारे छीतराई गंदगी से नाक संभाले हर किसी का मन आहत दिखा। शिवना का पानी, उसमें जमी काई के कारण अपना मूल स्वरूप खो चुका था। पहले भले ही शुद्धिकरण को लेकर कदम उठाए गए हो और साफ सफाई भी की गई हो, यहां तक की नदी में फव्वारे आदि भी लगाए गए थे। परंतु पानी की गुणवत्ता में किसी तरह का सुधार नहीं हुआ।

दीपदान के संग पूर्णाहुति, विद्वान पंडित का मत...

कार्तिक पूर्णिमा पर कार्तिक स्नान करने वाली महिलाएं टाटियों पर दीप सजाकर उन्हें प्रज्वलित कर नदी की जलधारा में प्रभावित करती है। एक माह तक ब्रह्म मुहूर्त में ठंडे जल से स्नान करने वाली तथा एक समय भोजन ग्रहण करने वाली यह महिलाएं पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ कार्तिक में अपनी आराधना करती है। जिसकी पूर्णाहुति के रूप में कार्तिक पूर्णिमा को टाटिया प्रवाहित करती है। लेकिन, बदलते दौर में अब महज कार्तिक माह में कुछ उपवास और घर पर ही ठंडे जल से स्नान कर महिलाएं इस व्रत की पूर्णाहुति करती है। पंडित राकेश भट्ट ने बताया कि युवतियां मनोवांछित वर पाने की कामना से भी भगवान शिव की आराधना कर कार्तिक स्नान करती है। उसी की पूर्णाहुति कार्तिक पूनम पर संपन्न होती है। सुबह से ही पशुपतिनाथमंदिर और शिवना घाट पर बड़ी संख्या में ग्रामीण और शहरी क्षेत्र से भीड़ उमडना शुरू हो गई थी।

इधर टाटीया बहाई और उधर आगे निकाल ली...

कार्तिक पूर्णिमा पर शिवना जल में टाटिया प्रभावित करने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही थी। इसे देख नदी के किनारे पर घाटों पर टाटिया बेचने वालों का जमावड़ा भी लग गया था। कोई 20 से लगाकर 50 रूपए तक सिक्को से बनी रंग बिरंगी टाटिया बेच रहा था। यहां तक की ग्रामीण क्षेत्र से लोग बनी बनाई टाटिया साथ लेकर आए। वही जैसे ही टाटिया नदी में प्रवाहित की जाती, उधर आगे उन्हे निकाल कर साफ कर फिर से बेचने का क्रम भी बदस्तूर जारी था। टाटियो के अलावा यहीं पर पूजा अर्चना के लिए हार फूल, माला,अगरबत्ती, नारियल भी धड़ल्ले से बिक रहे थे। रात में नदी के जल में इन फव्वारो से निकलती रंग बिरंगी रोशनी मनमोहक दृश्य उत्पन्न कर रही थी। दिनभर नदी में सुरक्षा की दृष्टि से बोट भी चल रही।

मेला देखने के लिए उमड़ी भीड़, ना झूला चकरी ना दुकाने लगी...

यूं तो मेला देव उठनी एकादशी से प्रारंभ हो जाता है और कार्तिक पूर्णिमा पर मेला अपने पूरे शबाब पर होता है और इस दिन रात 24 घंटे पूर्णिमा पर मेला लगता है। बाजार में भी भीड़ उमड़ती है। किन्तु, इस बार पूर्णिमा पर मेले में दुकान ही नहीं लग पाई और ना ही झूला चकरी लग पाए और ऊपर से बरसात ने और रंग में भंग डालकर खलल डाल दिया। फिर भी ग्रामीण और शहरी क्षेत्र से कार्तिक पूर्णिमा पर भीड़ उमड़ी। लेनिक, उन्हें न झूलने *... शेष पेज 4 पर*

चीता प्रोजेक्ट के चलते नलजल योजना में देरी

गांधी सागर समूह नलजल योजना में अब जमीन की तलाश

मंदसौर, 27 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर-नीमच की पेयजल समस्या के समाधान के लिए केंद्र व राज्य सरकार ने गांधीसागर समूह नलजल योजना को स्वीकृत किया हुआ है। इसमें गांधीसागर बैक वाटर में इंटकवेल निर्माण कर दोनों जिलों में टंकियों का निर्माण करने के बाद पाइप लाइन से घर-घर पेयजल उपलब्ध करवाना है। योजना में नीमच-मंदसौर जिले के 915 गांव और 7 नगर परिषदों को शामिल किया गया है। अब योजना में अड़चन आ गई है। चीता प्रोजेक्ट के चलते योजना-2 में इंटकवेल के लिए जमीन नहीं मिल पा रही है। इस कारण अब तक काम शुरू नहीं हो पाया है। हालांकि अधिकारियों द्वारा पाइप लाइन व जगह-जगह टंकियों के निर्माण का कार्य किया जा रहा है जिससे बाद में देरी से बचा जा सके। अधिकारी दावा कर रहे हैं कि दिसंबर 2024 तक योजना को पूरा कर लिया जाएगा।

गांधीसागर बांध निर्माण के बाद से ही नीमच-मंदसौर जिले की जनता को इसके पानी का लाभ नहीं मिल पाया। बांध निर्माण के 63 साल बाद केंद्र व राज्य सरकार ने मिलकर इसके पानी का उपयोग करते हुए नीमच-मंदसौर जिले की पेयजल समस्या के समाधान के लिए गांधीसागर समूह नलजल योजना बनाई। करीब एक साल पहले योजना स्वीकृत हुई व टेंडर प्रक्रिया पूरी कर काम शुरू किया गया। इसमें 915 गांव व 7 नगर परिषदों को पानी देने के लिए खिमला क्षेत्र में इंटकवेल का निर्माण होना है। लेकिन, इसका मामला अटक गया है। अधिकारियों का कहना है कि जो जमीन चयनित की

थी, वहां चीता प्रोजेक्ट के कारण समस्या आ रही है। समाधान के लिए राज्य व केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र लिख दिया है। जल्द इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो योजना पूरी होने में देरी हो सकती है।

मंदसौर के 269 गांवों को मिलेगा पानी...

गांधी सागर समूह-2 पेयजल योजना में गांधी सागर का पानी मंदसौर-नीमच जिले को मिलेगा। मंदसौर जिले के 269 और नीमच जिले के 646 गांवों में पानी पहुंचेगा। नीमच जिले की छह और मंदसौर की एक नगर परिषद को भी इसमें शामिल किया गया है। प्रोजेक्ट में देरी से बचने के लिए ठेकेदार तेजी से पाइप लाइन डालने व टंकी निर्माण का काम कर रहा है। मंदसौर नीमच जिले में करीब छह हजार किमी की पाइप लाइन बिछाई जाना है। इसमें से अब तक तीन हजार किमी की लाइन डालने का काम किया जा चुका है।

सात जोन में बांटा...

1400 करोड की लागत की पेयजल योजना में घर-घर तक पानी पहुंचाने के लिए दोनों जिलों को सात जोन में बांटा है। योजना में 318 पानी की टंकियां बनेंगी। इसमें पानी पहुंचाने के लिए छह बड़ी टंकियां बनाई जा रही है। इनका काम तेज गति के साथ चल रहा है।

॥ तृतीय पुण्य स्मरण ॥

❊ जन्म-19.03.1948 ❊ अवसान-28.11.2020

स्व.श्री सुरजमलजी डपकरा

के तृतीय पुण्य स्मरण पर

कोटि-कोटि नमन..

- श्रद्धावनत् -

(पुत्र-पुत्रवधु)
सुनील -सुनीता डपकरा
(पौत्र-पौत्री)
सागर डपकरा, धनश्री, वल्लरी
(पुत्री- दामाद)
निर्मला -नरेन्द्रकुमार धनोतिया, गरोठ
रेखा - सत्यनारायण फरक्या, रामगंज मण्डी
अनिता - हरिवल्लभ गुप्ता, इंदौर

(भाई)
कांतिलाल जी डपकरा
स्व. बोतलालजी डपकरा
प्रकाशचंद्रजी डपकरा
नन्दलालजी डपकरा

समस्त डपकरा परिवार
(सुवासरा-मंदसौर-रामगंज मण्डी)

मे. सुरजमल प्रभुलालजी डबकरा
दुकान नं.9 मण्डी प्रांगण,
महू नीमच रोड़, मंदसौर
मो.9425105435

सुख शांति फिलींग स्टेशन
थड़वन फन्टा, सीतामऊ -दलौदा रोड़ (मप्र)
डिलर:हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि.
मो.9340344544

निवास स्थान - शक्ति सदन, महाराणा प्रताप बस स्टेण्ड, लक्कड़पीठा, हीरा की बगीची रोड, मंदसौर

नाबालिक युवती के साथ पड़ोसी ने किया दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर, 27 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बीती रात अभिनंदन नगर में गाय को रोटी देने जा रही नाबालिग युवती के साथ पडोसी ने जबरन ने दुष्कर्म कर डाला। नाबालिग युवती को आरोपी जबरन पकड़कर घर में ले गया और घटना को अंजाम दिया। विरोध करने पर आरोपी ने युवती समेत उसकी मां और भाई के साथ मारपीट की। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवती को बड़े अस्पताल ले जाया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

शहर कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अभिनंदन नगर में बीती रात एक परिवार में धार्मिक आयोजन चल रहा था। इसी दौरान नाबालिग युवती गाय को रोटी देने जा रही थी, तभी घर के सामने रहने वाले अरूण दामी ने युवती को पकड़ लिया और जबरन घर के अंदर ले गया। जहां उसके साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। युवती ने अपने साथ हुई घटना की जानकारी परिजनों को दी, परिजन वहां पहुंचे तो आरोपी ने युवती की मां और भाई के साथ मारपीट की, जिससे वे घायल हो गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और युवती, उसके भाई को अस्पताल ले गई, जहां उनका उपचार चल रहा है। सीएसपी श्री सतनामसिंह ने बताया कि घटना रविवार की रात करीब 8 बजे की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है।

मावठे से किसान खुश, गेहूं-चना के साथ अन्य फसलों को होगा लाभ

मंदसौर/रतलाम, 27 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मौसम विभाग के अनुमान अनुसार शनिवार से मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया और रविवार दोपहर में मावठे की पहली जोरदार बारिश से जिला तरबतर हो गया। किसानों के

अनुसार मावठे से रबी सीजन की प्रमुख गेहूं-चना के साथ अन्य फसलों को लाभ होगा। तापमान में गिरावट से बच्चे और बड़े सभी दिनभर गर्म वस्त्रों में लिपटे नजर आए। कई स्थानों पर अलाव भी जलाए गए। शनिवार के मुकाबले रविवार को अधिकतम तापमान में 5.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई, वहीं रात के तापमान में 1.6 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सुबह की आर्द्रता 79 प्रतिशत व शाम की 88 प्रतिशत रही, जो शनिवार को क्रमश: 70 व 55 प्रतिशत थी।

नवंबर माह की विदाई के अंतिम दिनों में मौसम ने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के अनुमान के मुताबिक शनिवार से दिनभर बादल छा रहे। रविवार को जिलेवासियों को सूर्य दर्शन नहीं हुए और दोपहर करीब तीन बजे मावठे की पहली जोरदार वर्षा शुरू हो गई। सोमवार को भी यही स्थिति रही। हालांकि, सोमवार को बारिश नहीं हुई। लेकिन, दिन में अंधेरा छाने से वाहन चालकों को हेडलाइट चलाकर आवाजाही करना पड़ी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग की मानें तो एक नया पश्चिमी विक्षोभ देश के उत्तर-पश्चिम क्षेत्रों में पहुंचने वाला है। साथ ही पूर्वी और पश्चिमी हवाएं आपस में टकराने वाली है। जिसके चलते कई जिलों में वर्षा व ओलावृष्टिहोने का अनुमान है। आज 28 नवंबर तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा।

गेहूं चना की फसल में फायदा...

किसान रामस्वरूप पाटीदार ने बताया कि मावठे की बारिश से रबी सीजन की गेहूं, चना की फसल में फायदा होगा। मटरफली में नुकसान होगा। वर्तमान समय में मटर पककर तैयार खड़ी है। किसान फली तोड़कर मंडी में बेचने पहुंच रहे हैं। गेहूं, चना की फसल खेतों में लहलहा रही है। वर्तमान में खरपतवार नाशक दवाइयों का छिड़काव किया जा रहा है। किसान अभी सिंचाई कार्य में व्यस्त थे। अब कुछ दिनों के लिए सिंचाई कार्य बंद हो जाएगा।

विचार-मंथन

नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत...

तमाम दावों, चौकसी और कड़ाई के बावजूद जम्मू-कश्मीर में आतंकी संगठनों पर शिकंजा कसना कठिन बना हुआ है। शायद ही कोई महीना गुजरता है, जब आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच संघर्ष नहीं होता। राजौरी में दहशतगर्दों से मुठभेड़ में दो अधिकारियों समेत पांच सुरक्षाबलों के मारे जाने और एक के गंभीर रूप से घायल हो जाने की घटना उसी की एक कड़ी है। सेना तलाशी अभियान में जुटी थी, तभी आतंकियों ने घात लगा कर हमला कर दिया। करीब हफ्ता भर पहले सुरक्षाबलों ने राजौरी इलाके में ही छह आतंकवादियों को मुठभेड़ में मार गिराया था। पिछले डेढ़-दो वर्षों में इस इलाके में आतंकवादी घटनाएं बढ़ी हैं। इसी तरह की घटना दो महीने पहले भी हुई थी, जिसमें सेना और कश्मीर पुलिस के तीन अफसर तथा दो जवान शहीद हो गए थे। दहशतगर्दों के घात लगा कर हमले करने की छिटपुट घटनाएं तो होती ही रहती हैं। ऐसे सैन्य अभियानों पर हमले और उनमें जवानों तथा अफसरों के मारे जाने की घटनाएं नए सवाल खड़े करती हैं। जिस तरह आतंकी अत्याधुनिक हथियारों और सूचना तकनीक का इस्तेमाल करने लगे हैं, वे लगातार सुरक्षाबलों की गतिविधियों पर नजर बनाए रखते हैं, उसमें उनसे पुराने तरीकों से निपटना निस्संदेह चुनौतीपूर्ण होगा। कश्मीर घाटी से आतंकवाद खत्म करने के इरादे से पिछले नौ सालों से सघन तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। आतंकी संगठनों को वित्तीय मदद पहुंचाने वालों की पहचान कर जेलों में डाल देने के दावे किए जाते हैं। पाकिस्तान के साथ सड़क मार्ग से होने वाली तिजारत पर रोक लगने से माना जा रहा था कि सीमा पार से उन तक पहुंचने वाले हथियारों पर रोक लग गई है। अत्याधुनिक निगरानी प्रणाली और सतत चौकसी के कारण घुसपैठ का सिलसिला काफी कम हो गया है। अलगाववादी संगठनों के बैंक खातों और उनके वित्तीय लेन-देन पर कड़ी नजर रखी जा रही है। नोटबंदी के बाद दावा किया गया था कि इससे दहशतगर्दों की कमर टूट जाएगी। मगर ये तामम दावे तब खोखले साबित हो जाते हैं, जब आतंकवादी अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। आए दिन मुठभेड़ में आतंकियों के मारे जाने के समाचार होते हैं, फिर भी उनकी सक्रियता में कहीं से अपेक्षित कमी नजर नहीं आ रही। वे अपनी रणनीति बदल कर कभी लक्षित हिंसा पर उतर आते हैं, तो कभी घात लगा कर सुरक्षाबलों के काफिले या उनकी छावनियों पर हमला कर देते हैं। कश्मीर घाटी में दहशतगर्दों को उकसाने के पीछे पाकिस्तान की कोशिशें छिपी नहीं हैं। मगर घाटी में उन्हें कौन पोस रहा है और क्यों उनकी गतिविधियों पर लगाम लगाना चुनौती बना हुआ है, इसका आकलन कर उसके अनुरूप कदम न उठाए जा सकने को लेकर सवाल उठने स्वाभाविक हैं। स्पष्ट है कि बिना स्थानीय समर्थन के आतंकवादियों का घाटी में लंबे समय तक टिके रह पाना संभव नहीं है। अब तो यह भी स्पष्ट है कि आतंकी और अलगाववादी संगठनों के उकसावे पर बड़ी संख्या में कश्मीरी युवा हथियार उठाने लगे हैं। शैक्षणिक संस्थानों और दूसरे सरकारी महकमों में भी ऐसे लोगों की मौजूदगी लगातार पहचानी जा रही है, जो युवाओं को बरगलाने की कोशिश करते हैं। इन तथ्यों के मद्देनजर आतंकवाद से निपटने के लिए नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत है। दहशतगर्दों का मनोबल तभी टूटेगा या कमजोर पड़ेगा, जब उन्हें स्थानीय लोगों का समर्थन मिलना बंद होगा। इसके लिए स्थानीय लोगों का भरोसा जीतना जरूरी है।

वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्या चिंताजनक

रजनीश कपूर

पर्यावरण विशेषज्ञ, नेता और संबंधित सरकारी विभागों के अफसर हर साल की तरह इस साल भी इस समस्या को लेकर सिर खपा रहे हैं। उन्होंने अब तक के अपने सोच विचार का नतीजा यह बताया है कि खेतों में फसल कटने के बाद जो ठूंठ बचते हैं उन्हें खेत में जलाए जाने के कारण ये धुंआ बना है जो एनसीआर के ऊपर छा गया है। लेकिन सवाल उठता है कि यह तो हर साल ही होता है तो नए जवाबों की तलाश क्यों हो रही है? आनन-फानन में हर वर्ष दिल्ली सरकार कड़े कदम उठा कर कई तरह के प्रतिबंध लगा देती है। दिल्ली में और देश में सभी महानगरों में वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्या को हम कई सालों से लगातार सुनते आ रहे हैं। हमें एक से एक बढ़ कर आई सनसनीखेज वैज्ञानिक रिपोर्टों की बातों को भूलना नहीं चाहिए। हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि दिल्ली से निकलने वाले गंदे कचरे, कूड़ा करकट को ठिकाने लगाने का पुख्ता इंतजाम अभी तक नहीं हो पाया। सरकार यही सोचने में लगी है कि यह पूरा का पूरा कूड़ा कहां फिंकवाया जाए या इस कूड़े का निस्तार यानी ठोस कचरा प्रबंधन कैसे किया जाए? जाहिर है इस गुत्थी को सुलझाए बगैर जलाए जाने लायक कूड़े को चोरी छुपे जलाने के अलावा और क्या चारा बचता होगा? इस गैर-कानूनी हरकत से उपजे धुंए और जहरीली गैसों की मात्रा कितनी है जिसका कोई हिसाब किसी भी स्तर पर नहीं लगाया जा रहा है। इन सबके चलते आम नागरिकों पर सरकार द्वारा लगाए जा रहे

प्रतिबंधों से अलग असुविधा हो रही है। परंतु अभी तक सरकार या उसकी प्रदूषण नियंत्रण करने वाली एजेंसियाँ असल कारण तक नहीं पहुँच पाई है। जब भी कभी कोई उपभोक्ता एक-एक पाई जोड़ कर अपने सपनों का वाहन खरीदता है तो उसे उसकी क़ीमत के साथ-साथ रोड टैक्स, जीएसटी आदि टैक्स भी देने पड़ते हैं। इन सब टैक्सों का मतलब है कि यह सब राशि सरकार की जेब में जाएगी और घूम कर जनता के विकास के लिए इस्तेमाल की जाएगी। परंतु रोड टैक्स के नाम पर ली जाने वाली मोटी रक़म क्या वास्तव में जनता पर खर्च होती है? क्या हमें अपनी महँगी गाड़ियों को चलाने के लिए साफ़-सुथरी और बेहतरीन सड़कें मिलती हैं? क्या टूटी-फूटी सड़कों की समय से मरम्मत होती है? क्या देश भर में सड़कों की मरम्मत करने वाली एजेंसियाँ अपना काम पूरी निष्ठा से करतीं हैं? इनमें से अधिकतर सवालों के जवाब आपको 'नहीं' में मिलेगा। यहाँ एक सवाल यह भी उठता है कि सरकार द्वारा वाहनों प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित रखने की दृष्टि से कई नियम लागू किए गए हैं। इनमें से अहम है कि दस साल पुराने डीज़ल और पंद्रह वर्ष से अधिक पुराने पेट्रोल वाहनों को महानगरों की सड़कों पर चलने की अनुमति नहीं देना। इसके साथ ही जिन-जिन वाहनों को चलने की अनुमति है उन सभी वाहनों में वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र यानी 'पीयूसी' होना अनिवार्य भी है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि यदि आपके वाहन में एक वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र है तो आपका वाहन तय मानकों से अधिक प्रदूषण नहीं कर रहा और तभी आपके वाहन को सड़क पर आने की अनुमति है। पिछले वर्ष नवम्बर के महीने में दिल्ली सरकार ने एक आदेश के तहत बिना वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र के चलने वाले वाहनों पर 10,000 का मोटा जुर्माना लगाने के आदेश दिये थे। इनका पालन भी सख़्ती से होता हुआ दिखाई दिया। दिल्ली की सड़कों पर परिवहन विभाग व ट्रैफ़िक पुलिस के अधिकारी इसे सख़्ती से लागू करते हुए नज़र भी आए। हर साल दिवाली के आस-पास दिल्ली एनसीआर पर एक ज़हरीली हवा की चादर चढ़ जाती है। पर्यावरण विशेषज्ञ, नेता और संबंधित सरकारी विभागों के अफसर हर साल की तरह इस साल भी इस समस्या को लेकर सिर खपा रहे हैं। उन्होंने अब तक के अपने सोच विचार का नतीजा यह बताया है कि खेतों में फसल कटने के बाद जो ठूंठ बचते हैं उन्हें खेत में जलाए जाने के कारण ये धुंआ बना है जो एनसीआर के ऊपर छा गया है। लेकिन सवाल उठता है कि यह तो हर साल ही होता है तो नए जवाबों की तलाश क्यों हो रही है? आनन-फ़ानन में हर वर्ष दिल्ली सरकार कड़े कदम उठा कर कई तरह के प्रतिबंध लगा देती है। जैसे निर्माण कार्य पर रोक लगाना। भवन के तोड़-फोड़ पर रोक लगाना। पुराने डीज़ल और पेट्रोल वाहनों पर रोक लगाना। कूड़े को जलाने पर रोक लगाना आदि। निर्माण कार्यों पर रोक लगाना तो समझ में आता है। परंतु जिन पुराने वाहनों पर रोक लगती है उससे सरकार को क्या हासिल होता है, यह समझ नहीं आता। उदाहरण के तौर पर यदि आपका वाहन दस साल से अधिक पुराना नहीं है और उसमें एक वैध पीयूसी सर्टिफिकेट तो आपका वाहन प्रदूषण के तय मानकों की सीमा में ही हुआ। यानी आपका वाहन अनियंत्रित प्रदूषण नहीं कर रहा। इसके बावजूद अपनी गाड़ियों में नियमित 'पीयूसी' जाँच करवाने वालों को प्रतिबंध के चलते वाहन सड़क पर लाने की इजाज़त नहीं दी जाती। क्या ऐसा करना उचितहै? यदि कोई मजबूरी में प्रतिबंधित वाहन को सड़क पर ले भी आता है तो पुलिस वाले उससे 20,000 का चालान वसूलने लगते हैं। ऐसे में ये लोग चालान न देने के लिए या तो बहाने बनाते हैं या पुलिस वालों की जेब गरम कर देते हैं। यानी प्रदूषण की समस्या के साथ-साथ भ्रष्टाचार जैसी समस्या भी जन्म ले लेती है। ठीक उसी तरह, जब भी कोई वाहन खरीदने पर उपभोक्ता रोड टैक्स देते हैं तो उन्हें सड़कों की दुरुस्त हालत क्यों नहीं मिलती? टूटी-फूटी सड़कों पर वाहन अवरोधों के साथ चलने पर मजबूर होते हैं, नतीजा जगह-जगह ट्रैफ़िक जाम हो जाता है। ऐसे जाम में खड़े रहकर आप न सिर्फ़ अपना समय ज़ाया करते हैं बल्कि महँगा ईंधन भी ज़ाया करते हैं। जितनी देर तक जाम लगा रहेगा, आपका वाहन बंपर-टू-बंपर चलेगा और बढ़ते हुए प्रदूषण की आग में घी का काम करेगा। ऐसे में जिन वाहनों को पुराना समझ कर प्रतिबंधित किया जाता है, उनसे कहीं ज़्यादा मात्रा में नये वाहनों द्वारा प्रदूषण होता है। इसलिए लोक निर्माण विभाग या अन्य एजेंसियों की यह ज़िम्मेदारी होनी चाहिए कि वह सड़कों को दुरुस्त रखें जिससे प्रदूषण को बढ़ावा नहीं मिले। सरकार को प्रदूषण की समस्या से छुटकारा पाना है तो उसे इसके असल कारणों पर वार करना होगा तभी हमारा पर्यावरण स्वच्छ हो पाएगा।

विपरीत परिस्थितियों में उपलब्धियों का सृजन करना सबसे अहम

राजेंद्र बज

जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। उतार के दौर में कहीं फिसल न जाएं और चढ़ाव के दौर में कहीं डगमगा न जाएं, बस इतनी-सी बात ध्यान रखकर सम-विषम परिस्थितियों का मुकाबला किया जा सकता है। ऐसा नहीं है कि हमारे जीवन में परिस्थितियां ताउम्र एक समान रहें। ऐसा भी नहीं है कि हमारी मनोस्थिति अनुकूल और प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समता भाव लिए हो। दरअसल, व्यक्ति के जीवन में जो कुछ घटित होता है, वह कर्मजन्य तो होता ही है- लेकिन कभी-कभी परिस्थितिवश भी घटित हो जाता है। अब यह हमारे ऊपर निर्भर करता है कि हम जीवन के उतार-चढ़ाव के दौर में अपने आप को कितना संयत रख पाते हैं! ऐसा दौर वास्तव में हमारे संयम की परीक्षा लिया करता है। दरअसल, किसी भी शख्सियत के व्यक्तित्व और कृतित्व में निखार भी तभी आ पाता है, जब वह कड़े संघर्ष के दौर से गुजर कर समाज और राष्ट्र के लिए कुछ कर सके। अन्यथा जीने को तो सभी जीते हैं, लेकिन विपरीत परिस्थितियों से पार पाकर उपलब्धियों का सृजन करना अपने आप में सबसे अहम है। हालांकि प्रथम दृष्टया हम अपने और अपने परिवार के लिए जीते हैं। हम मन-वचन-कर्म की संपूर्ण एकाग्रता के साथ समाज में अपनी भूमिका का निर्धारण करते हुए जीवनयापन का कोई माध्यम अपनाते हैं। हम पूर्ण रूप से व्यक्तिगत जीवन जी कर भी सार्वजनिक तौर पर जन-जन को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से कर्मठता के प्रति प्रेरित भी करते हैं। जाहिर तौर पर हमारा जीना अपने और अपनों के लिए होता है, लेकिन किसी न किसी रूप में कोई न कोई हमारे आचरण और व्यवहार को अपने व्यावहारिक जीवन में भी उतारता है। एक प्रकार से हम कहीं न कहीं किसी अन्य के लिए प्रेरक का कार्य करते हैं, लेकिन हम नहीं जानते कि हमसे कौन-कौन और किस-किस प्रकार की प्रेरणा प्राप्त कर रहा है। सांसारिक जीवन में हर एक व्यक्ति किसी न किसी व्यक्ति विशेष के व्यक्तित्व और कृतित्व से गहरे रूप से प्रभावित होता है। समाज में अनेक चेहरे ऐसे होते हैं, जिनके मन-वचन-कर्म की एकाग्रता उनकी सफलता के कारक के रूप में जानी जाती है। ऐसे व्यक्तित्व का अनुकरण करने की प्रक्रिया समाज में आम देखी जा सकती है। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी रूप में किसी अन्य के लिए प्रेरक का कार्य कर रहा होता है। हालांकि हम नहीं जानते कि हमसे कौन कैसी प्रेरणा ले रहा है? ऐसे में हमें चाहिए कि हम जीवन में आने वाली तमाम चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करें। हम किसी और पर विश्वास कर पाएं या नहीं, लेकिन अपने आप पर अटूट विश्वास को कभी खंडित नहीं होने देना चाहिए। यों भी कहा गया है कि 'मन के हारे हार है और मन के जीते जीत'। जिस शख्सियत ने इस परम सत्य को जान लिया और अपने व्यावहारिक जीवन में आत्मसात कर लिया, उसकी सफलता में कहीं कोई बाधा नहीं आ सकती। हमारे धर्म शास्त्रों में मन की शक्ति को महत्त्वपूर्ण स्थान दिया गया है। आमतौर पर देखा गया है कि जो अटल इरादों के धनी होते हैं, उनके लिए अपने समूचे जीवन में 'असंभव' का कहीं कोई स्थान नहीं होता। नजरें दौड़ाएं तो पाएंगे कि ऐसे अनेक चेहरे हमारे आसपास भी बहुतायत से मिल सकते हैं। बस, जिस पल हमारी दृष्टि में ऐसे किसी व्यक्तित्व का अक्स मानस पटल पर तैर जाए, समझ लेना चाहिए कि आदर्श गुरु की खोज पूरी हो गई। समय-समय पर अलग-अलग वर्ग के कर्मठ लोगों को अपना प्रेरक मानते हुए हम अपने जीवन में उत्तरोत्तर प्रगति पथ पर अग्रसर हो सकते हैं। आमतौर पर बाल मन में विभिन्न महान लोगों के व्यक्तित्व और कृतित्व को स्थापित किया जाता है। हर कोई शीर्ष महान नहीं बन सकता, लेकिन जब करोड़ों में लाखों की तलाश हो, तब भी महान व्यक्ति तो हमें गढ़ने होंगे। ऐसे लोगों के पदचिह्नों पर चलने वाली शख्सियत को भी स्वीकार करने की आवश्यकता होगी। कल्पना करने की बात है कि लाखों-करोड़ों विद्यार्थियों में कितने आइएएस या आइपीएस बन सकेंगे, कितने आइआइटी निकाल सकेंगे। ऐसे में यह आवश्यक हो जाता है कि हम अनुयायियों के भी अनुयायी बनें। हम अपने आसपास दृष्टिपात करें, तो ऐसे चेहरे हमें नजर आ सकते हैं। दरअसल, आवश्यकता इस बात की है कि हम लगभग प्रत्येक व्यक्ति के आचरण और व्यवहार में अंतर्निहित पराक्रम के भाव को समझने का प्रयास करें। निश्चित ही इस दिशा में कुछ करने के लिए हमें कोई अधिक मशक्कत भी नहीं करनी होगी। हां, प्रयासों में ईमानदारी का तकाजा हमेशा ही रहेगा। दृष्टि में वस्तुपरकता की आवश्यकता सबसे ऊपर रहेगी, क्योंकि तभी हम उस व्यक्ति की पहचान कर सकेंगे, जिनके पदचिह्नों पर हम चल सकें। किसी भी व्यक्ति का मूल्यांकन रहित अंधानुकरण हमेशा नकारात्मक और विपरीत नतीजे देने वाला होता है।

पानदान से नापी जाती थी इंसान की हैसियत

अवध के नवाबों को सूबे के पूर्ववर्ती राजाओं-महाराजाओं से विरासत में अनेक परंपराएं मिलीं। उनमें से एक यह भी थी कि कोई गंभीर चुनौती सामने आ खड़ी हो तो जिन रणबांकुरों या सिपहसालारों को उससे निपटने में काबिल माना जाए, उनके सामने पान का बीड़ा रखकर पूछा जाए कि उनमें से कौन उसे उठाएगा? असल में यह चुनौती का बीड़ा होता था। फिर जो भी उसे उठाए, चुनौती को उसकी आन से जोड़ दिया जाए, ताकि वह उससे निपटने में जी-जान लगा दे। क्या पता नवाबों ने इस परंपरा की बेकद्री की या चाहकर भी उसे बचा नहीं पाए, लेकिन उनके दौर में पान के ऐसे बीड़े महज कहावतों में रह गए। अलबत्ता, पान की सुर्खी के आकर्षण ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। यहां तक कि एक शायर ने तो उसे कयामतखेज तक बता डाला, 'कयामतखेज है सुर्खी ये पानों की लब-ए-तर में, खुदा जाने ये दोनों लाल हैं किसके मुकद्दर में।' इतना ही नहीं, जो पानदान दूसरे शहरों में पान रखने के डिब्बे या पिटारियां भर हुआ करते थे, अवधवासियों की जीवनशैली और तहजीब का अंग तो बने ही, हुनर के प्रदर्शन का जरिया भी बन गए। पानदानों के साथ डली या सुपारी काटने के लिए जो सरौते हुआ करते थे, वे भी किसी कलाकृति से कम नहीं ही रह गए। आगे चलकर ये दोनों लोहे, जस्ते या तांबे जैसी सस्ती और सोने-चांदी जैसी बेशकीमती धातुओं से बनने लगे, साथ ही अपनी कम या ज्यादा कीमत के मुताबिक अपने मालिक की माली हैसियत भी बताने लगे। जितने नफासती ये पानदान बाहर से होते थे, इनके अंदर उतनी ही नफासत से पान रखने की छोटी-बड़ी जगहें बनी होती थीं। बड़े खानों को कुल्हियां कहा जाता और उनमें कत्था और चूना रखा जाता जबकि डिब्बियां कहलाने वाले छोटे खानों में डली (सुपारी), जर्दा और पान का जायका बदलने वाली दूसरी चीजें। कुल्हियों के ढक्कन कसे होते थे, जबकि डिब्बियों के ढक्कन बस उन पर रखे भर होते थे। कई पानदानों के बीच में लौंग और इलायची आदि रखने के लिए अलग इंतजाम भी होता था। अवध के नामी इतिहासकार अब्दुल हलीम 'शरर' के मुताबिक पहले दिल्ली में गोल, वर्गाकार या अठपहलू पिटारियों जैसे पानदान हुआ करते थे। बाद में हैदराबादियों ने भी उन्हें जस का तस अपना लिया था। लेकिन लखनवियों ने उन्हें अपनी रुचि और रहन-सहन के मुताबिक काट-छांटकर उनका नक्शा बदलकर ही अपनाया। और तो और, उनकी शक्ल कलशों जैसी बना दीं, उनकी चोटी पर कड़ा भी लगा दिया ताकि उन्हें लाने-ले जाने में दिक्कत न हो। वक्त बदला तो ऐसे अनेक पानदान बेकद्री के चलते घरों के कोनों में धूल फांकने लगे, लेकिन उससे पहले उनमें पान और उसके सामानों के अलावा रातरानी भी रखी जाती थी। निकाह के बाद बीवियां अपने मायके से पानदान लेकर ससुराल आती थीं और निकाहनामों में दर्ज किया जाता था कि उनके मियां उनको कितना 'खर्चा-ए-पानदान' देंगे। शुरू में पानदान मुसलमानों के घरों की ही शोभा थे, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने सारी धार्मिक बाड़बंदियां फलांगकर हिंदुओं के घरों में भी जगह बना ली। पान के शौकीनों का महज पानदान से काम नहीं चला तो खासदान और उगालदान का भी 'आविष्कार' हुआ। खासदान कलात्मक ढक्कन वाली ट्रे जैसा होता था, जिसमें पान के बीड़े या गिलौरियां सलीके से रखी और परोसी जाती थीं। लखनऊ के कलाकार इस ट्रे को लासानी बनाने में भी कुछ कम हुनरमंदी नहीं दिखाते थे। लेकिन जाने क्यों, उन्होंने पान खाने वालों की पीक थूकने की जरूरत पूरी करने के लिए कलात्मक पीकदान बनाने में कतई रुचि नहीं ली। इसीलिए 'गुजिश्ता लखनऊ' में 'शरर' ने यह तो बहुत शान से बताया है कि तब पानदान और खासदान बैठकों, सभाओं और समागमों का जरूरी हिस्सा थे।

आज का राशिफल

मेष: [illegible]

वृषभ: [illegible]

मिथुन: [illegible]

कर्क: [illegible]

सिंह: [illegible]

कन्या: [illegible]

तुला: [illegible]

वृश्चिक: [illegible]

धनु: [illegible]

मकर: [illegible]

कुंभ: [illegible]

मीन: [illegible]

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5068

		7				9		8
	3		1	7				4
					6			
6	9	8	7	4		3		
		3		1		4		
		1		3	9	7	6	2
			4					
9				5	1		4	
4		5				1		

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5067

2	9	6	1	4	5	8	3	7
3	5	7	8	2	6	1	4	9
1	4	8	9	3	7	5	2	6
6	3	9	5	1	2	4	7	8
5	8	1	7	6	4	3	9	2
4	7	2	3	9	8	6	1	5
9	6	4	2	8	3	7	5	1
8	1	5	4	7	9	2	6	3
7	2	3	6	5	1	9	8	4

वर्ग पहेली 5068

संकेत: बाएं से दाएं

1. दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश की जल सेना में करीब 45 प्रतिशत डाल्फिन है जो समुद्र के अंदर तैराकी का पता लगाती है (4)
4. पीड़ा, शोक, दुख (2)
5. आग की लपट, ज्वाला, अंगारा (3)
6. ग्रीष्म अनुभूति, उष्णता, भाप (3)
9. सनातन धर्म का अनुयायी, पुराणपंथी, पुरातनपंथी (5)
11. कुंअर, अविवाहित पुरुष (3)
13. मुट्ठी (मुट्ठी)(4)
14. सुस्वादु व्यंजन (2)
15. वाराणसी का यह प्राचीन नाम है (2)
16. प्रवाह, बहाव, तीक्ष्णता (3)
18. दिलों में कुछ होना, अनुभूति होना (3)
20. भेड़ या बकरी का बच्चा (2)
22. जो बोल न सकता हो, गूंगा (2)
23. बर्तनवाला, यह बैजयंती माला की डेब्यू फिल्म थी नायक थे करण दीवान (3)
24. वस्तु की उपस्थिति का दर्शाता एक वचन रूप (1)

ऊपर से नीचे

1. पुरानी फिल्मों के दिवंगत सितारे जिनका मूल नाम कुमुदकुमार गांगुली था (6)
2. उपाय (2)
3. तकली से सूत निकालना (3)
4. चेहरा, मुखड़ा, मुंह (3)
7. अवनति शील, अवरोही, प्रचलित (5)
8. लजावान, शर्मीला, संकोची (3)
9. महाशय, जनाब, श्रीमान (2)
10. अनिष्ट करने की चेतावनी देना (4)
12. भारी बोझा ढोने वाला, मालवाही, गुड्स कैरियर (5)
17. इस वृक्ष की छाल औषधि बनाने में प्रयुक्त की जाती है (2)
19. उपहास, फब्ती, ठंगा-फसाद (3)
21. एहसट, अधर, ओंठ, ओष्ठ (2)

वर्ग पहेली 5067 का हल

दु	ल	र	ही	ल	■	सी	■
इ	ला	■	ल	ह	र	दा	र
क	क	ड़ी	■	क	■	ए	द
ट	■	■	ता	ना	■	ट	■
र	म	क	ना	■	स	ना	थ
■	स	■	शा	र	दा	■	ल
सा	ल	■	ह	ज	■	मा	प
दा	न	व	■	नी	ली	फ	र

अ.भा. पूर्व सैनिक सेवा परिषद का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

मंदसौर 27 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद मंदसौर सैनिक परिवार का दीपावली मिलन समारोह धर्मराजेश्वर शामगढ में हुआ। मिलन समारोह में लगभग 300 सैनिकपरिवार ने बढ चढकर हिस्सा लिया सभी सैनिक एवं पूर्व सैनिक इस मिलन समारोह में एक ड्रेस कोड कैप में दिखे। कार्यक्रम की शुरुआत 26/ 11 मुंबई आतंकी हमले में शहीद हुए शहीदों की याद में अनुष्का राठौर द्वारा शहीदों की शहादत में गीत प्रस्तुत किया गया साथ ही सभी ने 2 मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। अतिथियों द्वारा भारत माता को दीप प्रज्वलित हुआ पुष्प चढा कर पूजा आराधना की। शामगढ तहसील प्रभारी राजेश खारोल ने अतिथियों को मंचासिन करवाया। मुख्य अतिथि शहीद परिवार एवं संगठन के संरक्षक रहे।

स्वागत भाषण जिला अध्यक्ष मुकेश गुर्जर द्वारा दिया गया।संगठन संरक्षक रतनसिंह शक्तावत ने संगठन को मजबूती के लिए और राष्ट्रीय स्तर पर संगठन के कुरुक्षेत्र में हुए 24वें वार्षिकसम्मेलन के बारे में विस्तृत जानकारी दी, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं एवं खिलाड़ियों को संगठन शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। जिले में पूर्व सैनिकों द्वारा संचालित निशुल्क फिजिकल अकेडमी संचालित करने वाले पूर्व सैनिकों एवं सभी तहसील प्रभारी का सम्मान किया शहीद परिवारों का भी सम्मान किया गया कार्यक्रम में बच्चों एवं महिलाओं को नींबू रेस एवं म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता भी करवाई गई प्रथम द्वितीय एवं तृतीय विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

संयुक्त संचालन अर्चना खटवड, मिकी चौधरी व भानपुर तहसील सहप्रभारी विजय कछावा ने किया। आभार भानपुरा तहसील प्रभारी दिलीप धनगर ने माना। सभी के सामूहिक सहभोज के साथ आयोजन का समापन हुआ तत्पश्चात सभी ने मंदिर परिसर एवं बौद्ध गुफाओं का भ्रमण किया।

नागर ब्राह्मण समाज ने अभिषेक कर अन्नकूट पर्व मनाया

मंदसौर 27 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। नागर ब्राह्मण समाज के इष्टदेव भगवान हाटकेश्वर के मंदसौर स्थित मंदिर पर नागर ब्राह्मण समाज के मंदसौर नगर एवं आसपास अंचलों में निवासरत सामाजिक बंधुओं की सपरिवार उपस्थिति में दीपावली मिलन समारोह एवं अन्नकूट महोत्सव भगवान हाटकेश्वर महादेव के अभिषेक महाआरती एवं अन्नकूट की महाप्रसादी के भोग के साथ सम्पन्न हुआ।

अभिषेक आचार्य श्री तापेश नागर एवं श्री सुनिल नागर द्वारा कराया गया। श्री यश एवं श्रीमती विशाखा दवे यजमान बने। इस अवसर पर नागर ब्राह्मण समाज के 31 जनवरी 2024 को मंदसौर के भगवान हाटकेश्वर मंदिर में नवीन शिव पंचायत की पुन: प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के साथ ही समाज के सामूहिक यज्ञोपवित्र संस्कार कार्यक्रम की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया जाकर इसके भव्य स्वरूप में मनाने पर उपस्थित सामाजिक बधुओं ने विचार रखे। इसके सामूहिक प्रयास से सफल बनाने के लिए इसमें आर्थिक सहयोग की घोषणा समाज के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल नागर द्वारा एक लाख रूपये समाज अध्यक्ष श्री रमेशचन्द्र नागर पच्चीस हजार रू., सुरेश नागर रिछाबच्चा इक्कीस हजार रू. धीरेन्द्र नागर ग्यारह हजार रू., विनोद

नागर ग्यारह हजार रू., श्रीमती पुष्पा नागर रिछालालमुहां ग्यारह हजार, प्रकाश नागर दलौदा ग्यारह हजार रू., बालकृष्ण दवे पन्द्रह हजार रू., गोविन्द नागर सात हजार एक सौ रू., सतीश नागर सात हजार एक सौ रू., ओमप्रकाश नागर खडावदा पांच हजार एक सौ रू., प्रभाशंकर मेहता पांच हजार रू., भागीरथ नागर पांच हजार रू., कलाबेन नागर पांच हजार एक सौ एक रू., कमल मेहता पांच हजार रू., डॉ. राजेन्द्र नागर पांच हजार एक रू., राजेन्द्र नागर खेरोट वाले पांच हजार रू., प्रवीण मेहता पांच हजार रू., जगदीश नागर दो हजार एक सौ., ललित नागर पिपलियामंडी दो हजार एक सौ रू., विकास दवे दो हजार एक हजार एक सौ रू. मुकेश नागर एक हजार एक सौ रू. की घोषणा की गई।

कार्यक्रम में रमेश नागर, बाबूलाल नागर, जगदीश नागर, सुरेश नागर, प्रकाश नागर, गोविन्द नागर, सतीश नागर, मनोज दवे, विकास दवे, मोहन नागर, संजय नागर, ओमप्रकाश नागर खडावदा, संतोष नागर, डॉ. हनुमान नागर, सुनील नागर, डॉ. राजेन्द्र नागर, योगेन्द्र नागर, विनोद नागर, धीरेन्द्र नागर, राजेन्द्र नागर, पुलकीत नागर, अनिल मेहता, सुनील मेहता, शिवशंकर नागर नैनोरा, भरत नागर, प्रवीण मेहता, सुनील नागर, यश दवे, मोहित मेहता, तनय नागर, प्रकाश नागर, ललित नागर पिपलियामंडी, दिनेश नागर, आशीष नागर, वंदना दवे, अमृता दवे, सुमन नागर, पूजा नागर, दिनेश नागर, आशीष नागर, वंदना दवे, अमृता दवे, सुमन नागर, पूजा नागर, श्रीमती भगवतीदेवी नागर, प्रतिभा नागर, अलका नागर, मिनल नागर, अनिता नागर, जया नागर, रेखा नागर, नेहा नागर, सरला नागर, कविता नागर, कला बेन, कृष्णा मेहता, आशा नागर खुशबु नागर, आशा नागर पूजा नागर आदि उपस्थित रहे। प्रसादी के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। यह जानकारी सचिव सतीश नागर द्वारा दी गई।

भारतीय डाक कर्मचारी संघ का द्विवार्षिक सम्मेलन सम्पन्न

मंदसौर 27 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय डाक कर्मचारी संघ मंदसौर का 19 वां द्विवार्षिक अधिवेशन रविवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री राकेश शर्मा अध्यक्ष जिला भारतीय मजदूर संघ मंदसौर थे एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अशोक राणावत नगर अध्यक्ष नागरिक पेंशनर महासंघ के द्वारा की गई। कार्यक्रम को श्री राकेश शर्मा एवं अशोक रामावत द्वारा सम्बोधित किया गया।

कर्मचारी संगठन के वरिष्ठ सदस्य श्री प्रेमचंद पडियार, श्री चंद्रप्रकाश पुरोहित, श्री सुरेशचंद्र जैन एवं श्री मानसिंह चैहान ने भी सम्बोधित करते हुए कर्मचारियों की समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान कार्यक्रम में अधिक संख्या में डाक विभाग के कर्मचारी एवं महिलाओं कर्मचारियों की भी उपस्थिति रही।

श्री चंद्रप्रकाश पुरोहित पूर्व राष्ट्रीय संगठन मंत्री भारतीय डाक कर्मचारी महासंघ की उपस्थिति में मंदसौर डाक संभाग की नवीन कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें भारतीय डाक कर्मचारी संघ ग्रुप सी में अध्यक्ष श्री विनोद कुमार सगवालिया, सचिव श्रीमती रानु पडियार, कोषाध्यक्ष श्रीमती शिरोमणी पंवार एवं पोस्टमेन एम.टी.एस. ग्रुप में अध्यक्ष श्री मुकेश भावसार, सचिव श्री विष्णुलाल कटारा, कोषाध्यक्ष श्री नवीन पांचाल तथा ग्रामीण डाक सेवक संघ ने अध्यक्ष श्री भंवरलाल परिहार, सचिव श्री गणपतलाल शर्मा, कोषाध्यक्ष श्री नरोत्तम शर्मा सर्वसम्मति से मनोनीत किए गए। कार्यक्रम का संचालन श्री चंद्रप्रकाश पुरोहित एवं आभार श्री प्रेमचंद्र पडियार द्वारा किया गया। कार्यक्रम की सफलता में स्थानीय भारतीय पोस्टल पेंशनर संघ का विशेष योगदान रहा एवं श्री मानसिंह चैहान, श्री महेन्द्र कुमार चपरोत, श्री अभिषेक सोनी, श्री प्रवीण बेरागी, श्रीमती रानु पडियार, श्रीमती प्रियंका शर्मा, श्रीमती शिरोमणी पंवार, श्रीमती आशा वर्मा, श्री विष्णुलाल कटारा, श्री गणपतलाल शर्मा का भी विशेष योगदान रहा।

टेलर जिला कांग्रेस सिलाई कला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मनोनीत

मंदसौर 27 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री कमलनाथजी, समस्त विभागो एवं प्रकोष्ठो के प्रभारी श्री जेपी धनोपिया , पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, मध्यप्रदेश

सिलाई कला प्रकोष्ठके अध्यक्ष श्री कपिल सिसोदिया, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष एवं मंदसौर जिला प्रभारी श्रीमती अर्चना जायसवाल, मध्यप्रदेश सिलाई कला प्रकोष्ठ के कार्यकारी अध्यक्ष श्री सुरेश भाटी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री विपिन जैन की सहमति से मध्यप्रदेश कांग्रेस सिलाई कला प्रकोष्ठके मंदसौर जिलाध्यक्ष पद पर श्री दिनेश टेलर (देवडा) आकोदडा को नियुक्त किया गया है।

मध्यप्रदेश कांग्रेस सिलाई कला प्रकोष्ठके कार्यकारी अध्यक्ष एवं मंदसौर जिला कांग्रेस प्रभारी महामंत्री एवं प्रवक्ता श्री सुरेश भाटी ने श्री दिनेश टेलर की नियुक्ति करते हुये उन्हें सिलाई कला वर्ग से जुडे वर्ग विशेषकर दर्जी समाज को कांग्रेस विचारधारा की निति नीति से जोडने एवं उनके कल्याण के लिये कार्य करने हेतु दिशा निर्देश प्रदान किये है।

आप ने मनाया पार्टी का स्थापना दिवस के साथ संविधान दिवस

मंदसौर / नीमच27 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। आम आदमी पार्टी ने 26 नवम्बर संविधान दिवस एवं पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर मंदसौर संसदीय क्षेत्र के गांधी सागर , भानपुरा ,गरोठ एवं सुवासरा में आम आदमी पार्टी का स्थापना दिवस एवं संविधान दिवस बाबा साहेब अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर संविधान की उद्देशिका का वाचन कर बाबा साहेब को याद किया गया साथ ही आम आदमी पार्टी की स्थापना से लेकर आज तक पार्टी द्वारा पंजाब एवं दिल्ली में पार्टी द्वारा आम जन को बिजली, पानी ,शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, युवाओं को रोजगार, जैसी जो सुविधाएं अमीर गरीब को समान रूप से प्रदान की जा रही है इस पर परिचर्चा कर उपस्थित आप साथियो ने सभी साथियो को बधाई प्रेषित की।

आप के लोकसभा प्रमुख नवीन कुमार अग्रवाल , जिलाध्यक्ष गंगाराम पाटीदार ,लोकसभा उपाध्यक्ष बालचंद वर्मा ,विनोद कुमार पंवार एवं अन्य साथियो ने भी संबोधित कर पार्टी के स्थापना दिवस एवं संविधान दिवस पर

प्रकाश डाला। इस अवसर पर आप के राजेन्द्रसिंह अरोरा , मवास खान , चंद्रप्रकाश नकडा , हेमंत उपाध्याय , गोपाल , घनेन्द्र शर्मा , नरेश भाना , विजय धनोतिया , गिरिराज मीणा , सुरेश चौहान ,कमल सिंह परिहार, श्यामसिंह ,इस्वर फुलेरा , सरदार सिंह , अनिल वर्मा , जावेद खान , शिवम् मेहर रामप्रसाद, रमेशचंद्र, दीपक वेद , चांदमल नागदा , रमेश चंद्र गुर्जर ,शेरु भाई एवं अन्य साथीगण उपस्थित रहे।

आप के लोकसभा प्रमुख ई नवीन कुमार अग्रवाल का मंदसौर संसदीय क्षेत्र का दौरा कार्यक्रम पूर्व निर्धारित कार्यक्रम अनुसार नीमच से प्रारंभ होकर बोरखेडी पानेरी , सावन , मनासा, रामपुरा , गांधीसागर , भानपुरा ,गरोठ , सुवासरा , खेजडिया में होता हुआ मंदसौर सम्पन हुआ जिसमे सभी जगह पार्टी का स्थापना दिवस एवं संविधान दिवस के अवसर पर पार्टी साथियो के साथ आगामी रणनीति पर चर्चा हुई। आज के दौरा कार्यक्रम में आप के मंदसौर जिला अध्यक्ष गंगाराम पाटीदार , लोकसभा उपाध्यक्ष बालचंद वर्मा एवं विनोद कुमार पंवार भी साथ रहे ।

मंदसौर एम आर यूनियन की वार्षिक बैठक हुई सम्पन्न

दिनेश चंदवानी को अध्यक्ष और मयंक चुनेकर को मिला सचिव का दायित्व

मंदसौर 27 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। एम आर यूनियन की सालाना बैठक बंजारी बालाजी पर हुई। जिसमे गत वर्षो का लेखा जोखा रखकर नई कार्यकारणी बनाई गई। मध्यप्रदेश मैडिकल एण्ड सेल्स रिप्रेजेन्टेटिव्स यूनियन के दिशा निर्देशानुसर बंजारी बालाजी पर एक वार्षिक बैठक रखी गई। जिसमे क्षेत्रीय अधिकारी अश्विनी शर्मा भी शामिल हुए और कार्यकारणी बैठक में यूनियन अध्यक्षीय , सचिव और कोषाध्यक्ष रिपोर्ट को पास किया गया और नई कार्यकारणी गठित की गई। इसके बाद वार्षिक सामान्य बैठक मे यूनियन के अध्यक्ष दिनेश चंदवानी द्वारा अध्यक्षीय रिपोर्ट पेश की गई। सचिव उपेन्द्र राय द्वारा सचिव रिपोर्ट पेश की गई जिसमे कार्यक्रमो का ब्योरा दिया गया। यूनिट कोषाध्यक्ष महेश धनोतिया ने आय व्यय का ब्योरा दिया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष राजेश सोनी और सैटेलाईट यूनिट नीमच संयोजक प्रमोद बिवरे ने भी अपना उद्बोधन दिया। यूनियन निर्वाचन अधिकारी मनोज जोशी

और संजय मेहता द्वारा कार्यकारणी सदस्यों के नाम आम सभा मे प्रस्तावित किये गए। जिसे सर्वसम्मति से सभी सदस्यों द्वारा पास किया गया। नई कार्यकारणी में अध्यक्ष पद के लिये पुन: दिनेश चंदवानी को और सचिव पद पर मयंक चुनेकर को चुना गया। कोषाध्यक्ष पद पर कमलेश कच्छावा, राजेश सोनी को पुन: उपाध्यक्ष और सह सचिव विनोद गुप्ता व उपेन्द्र राय को जिम्मेदारी दी गई। कार्यकारणी सदस्यों मे महेश धनोतिया, अश्विनी तिवारी, दीपक दिक्षित, मिथुन वप्ता, लोकेश जैन, कौशल आर्य, अशीष जैन, जितेंद्र सिंह जाट, हेमंत चंदेल, मयंक राणा, विकास कुमार, गौतम सिंह, संदीप भावसार, बिजेन्द्र झा और चन्द्रशेखर शर्मा को शामिल किया गया। इस अवसर पर लोकन्द्र पांडे, राम बिरला, विनोद बसेर, नीरज माली, संजय पुनवानी, इरफान, भगवान माली, शाहरुख, शैलेंद्र शर्मा, राम मीणा, श्याम मीणा, आयुष जैन, राहुल गहलोत, लोकेश राठौर, राजेन्द्र सिंह, देवेन्द्र सिंह चौहान, अंकित गुप्ता, नरेश जायसवाल, साजिद खान, मनीष भावसार, दिलीप प्रजापत, योगेश द्विवेदी, विनय मुजावदिया, अनिल शर्मा, भंवर सिंह, सूर्यकांत शर्मा, तरुण गुप्ता, मयुरेश व्यास, योगेश सोनी, लालुराम धनगर, धर्मवीर सिंह, नरेश गुर्जर, मुकेश पाटिदार इत्यादी उपस्तिथ थे।

खूने-जिगर से दिल की कलम से लिखा है, खत तेरे नाम

दशपुर रंगमंच द्वारा ठंडी गुलाबी शाम में काव्य गोष्ठी का किया आयोजन

मंदसौर 27 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। नगर के सांस्कृतिक संस्था दशपुर रंगमंच मंदसौर द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। बारिश की रिमझिम फुहारों एवं ठंडी गुलाबी शाम के बीच गोष्ठी में उपस्थित कवियों ने अपनी कविताओं से समां बांध दिया। सभी उपस्थित कवियों ने मॉ सरस्वती की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। कार्यक्रम की शुरूआत में ललित बटवाल ने कविता पढी चंचल-चित्त चोर मन शरद किरणों में समा जाओं ।

कार्यक्रम संयोजक अभय मेहता ने खूने-जिगर से दिल की कलम से लिखा है, खत तेरे नाम सुनाकर प्रेमियों के दिल की बात कही। साथ ही उन्होंने तुम तो हो गुरूदेव ज्ञान का सागर को भी सुनाया। अजय डांगी ने पढ लिखकर बच्चों के विदेश चले जाने व माता-पिता के अकेले रह जाने की व्यथा दर्शाते हुए जिनके बच्चे छोड उन्हें जा बसे विदेश कविता पढी। चंदा डांगी ने चोली दामन का साथ कुम्हार का दिये से सुनाकर साथी के भाव को दर्शाया। हरिओम बरसोलिया ने राजनैतिक व्यंग करते हुए चुनाव से पूर्व उम्मीदवार मतदाता का करता इंतजार सुनाकर हास्य व्यंग उत्पन्न किया।

ललिता मेहता ने आचार्य विजयराजजी का गीत उम्र थोडी सी मिली थी हमको मगर वो भी घटने लगी, देखते-देखते। नरेन्द्र त्रिवेदी ने सांखलाजी की कविता करता हूँ देश की जवानी को प्रणाम जिसके भरोसे पर खडा है वर्तमान तथा कवि ध्रुव तारा ने उर्मलेशजी की कविता वक्त की मांग है, श्रृंगार लिखो गीतों में बखूबी सुनाया। मनीष कनोदिया व सतीश सोनी ने भी प्रस्तुति दी। संचालन अभय मेहता ने किया व आभार ललिता मेहता ने माना।

उत्तम स्वामीजी के मुखारविंद से श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह 17 दिसम्बर से

मंदसौर 27 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। आगामी 17 दिसंबर 2023 से रुद्राक्ष माहेश्वरी भवन नयापुरा रोड पर श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है। जिस में व्यास पीठ पर परम पूज्य महर्षि 1008 महामंडलेश्वर श्री उत्तम स्वामी जी महाराज अपने मुखारविंद से कथा प्रवचन करेंगे। कथा विश्रांति 23 दिसंबर को होगी। प्रथम दिवस प्रात: 9:00 बजे से चारभुजा नाथ मंदिर बड़ा चौक से शोभा यात्रा एवं कलश यात्रा निकलेगी प्रात: 11:30 बजे कथा का शुभारंभ होगा। शेष दिनों में कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 1:00 बजे से सायंकाल 5:00 बजे तक का रहेगा।

लाभार्थी परिवार रामगोपाल बापूलाल काबरा, पन्नालाल सालगराम गर्ग केडिया और पन्नालाल दलीचंद गर्ग केडिया परिवार ने नगर व अंचल के धर्मानुरागियों से कथा श्रवण लाभ लेने का अनुरोध किया है।

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने पशुपतिनाथ मेला का निरीक्षण किया

मंदसौर 27 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला परम्परानुसार भव्य रूप से आयोजित हो तथा इसमें दुकान लगाने वाले व्यापारियों को नपा की ओर से भरपूर सहयोग मिले यह सुनिश्चित करने के लिये नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने पशुपतिनाथ मेला परिसर में पहुंचकर मेला की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

श्रीमती गुर्जर ने पूरे मेला स्थल का भ्रमण किया और मेला की व्यवस्थाओं के संबंध में नपा अधिकारियों कर्मचारियों से चर्चा की। रविवार की शाम व रात्रि को बैमोसम वर्षा के कारण मेला प्रांगण में जो जलभराव हुआ उसे तुरंत हटाने और कीचड की समस्या नहीं हो इसके लिये मिट्टी की चुरी डालने के निर्देश भी दिये। श्रीमती गुर्जर ने मनीहारी बाजार में दुकान लगाने वाले व्यापारियों से भी चर्चा की। इस अवसर पर नपा सभापतिगण श्रीमती निर्मला नरेश चंदवानी, सत्यनारायण भांभी, निलेश जैन, रमेश ग्वाला, पार्षद प्रतिनिधि अमन फरक्या, समाजसेवी विनय दुबेला, राजेश गुर्जर, महेन्द्र परिहार भी साथ थे। नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर के द्वारा शिवना नदी के घाट का भी निरीक्षण किया गया व वहां उपस्थित महिलाओं व युवतियों से चर्चा भी की।

दुधेश्वर महादेव मंदिर मगरे पर भण्डारा का आयोजन हुआ

नाहरगढ़ 27 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। श्री दुधेशवर महादेव मंदिर मगरा नई आबादी नाहरगढ पर कार्तिक पूर्णिमा के दिन विशेष पूजा-पाठ व आरती के बाद सभी भक्तो के लिए भण्डारा व प्रसादी का आयोजन किया गया है। जिसमे सभी दानदाताओ ने सहयोग किया व जन सहयोग से भव्य भण्डारा का आयोजन हुआ। जो भण्डारा सुबह से चला जो शाम ढलते तक भक्तगण आते जाते रहे है। सभी भक्तो का पूरे आयोजन मे तन मन धन का सहयोग के साथ व्यवस्था मे भक्तगण लगे रहे। श्री दुधेशवर महादेव मंदिर समिति के सभी सदस्य व भक्तो के द्वारा सफल आयोजन किया गया।

मेडिकल कैंप में 126 का हुआ परीक्षण

मंदसौर 27 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। श्री सत्य साई सेवा समिति मंदसौर द्वारा गोद लिए गए ग्राम भूखी में मेडिकल कैंप लगाया गया जिसमें प्रत्येक मरीज का वजन, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज की जांच की गई, साथ ही डॉ. सौरभ पाण्डेय और चाइल्ड स्पेशलिस्ट डॉ. वीरेंद्र वर्मा द्वारा करीबन 126 मरीजों का परीक्षण किया गया।

इस अवसर पर चिकित्सकों का स्वागत समिति संयोजक श्रीकांत त्रिवेदी, समिति के सेवा प्रभारी प्रकाश चंदवानी द्वारा किया गया। मेडिकल कैंप में जिला आध्यात्मिक प्रभारी आशा गोयल, समिति की जयश्री चंदवानी, मनोरमा सोनी, नन्दकिशोर अरोरा, निशिकांत त्रिवेदी, ग्राम पंचायत के सरपंच बालू गुर्जर आदि ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिलाध्यक्ष डी सी सक्सेना एवं आभार जिला सेवा प्रभारी नूतन शिंदे द्वारा माना गया।

दो दिनों में पकड़े गए मेडिकल कालेज परिसर से स्कूटी चुराने वाले दो आरोपी, स्कूटी भी बरामद

रतलाम 27 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मेडीकल कालेज परिसर से विगत 25 नवंबर को चुराई गई एक स्कूटी को औद्योगिक क्षेत्र पुलिस ने महज दो दिनों के भीतर बरामद कर लिया है। स्कूटी चुराने वाले दो आरोपियों को भी पुलिस ने धर दबोचा है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, विगत 25 नवंबर को मेडीकल कालेज की वाहन पार्किंग से एक नीले रंग की एक्सेस स्कूटी क्र.एमपी 43- 6888 को अज्ञात चोर चुरा कर ले गए थे। वाहन मालिक नईम पिता अनिस खोखर नि. सूरजमल जैन नगर ने पहले तो गाडी को इधर उधर तलाश किया और जब गाडी नहीं मिली तो औद्योगिक क्षेत्र थाने पर पंहुच कर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने फरियादी नईम की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध चोरी का प्रकरण दर्ज कर जांच प्रारंभ की। जांच के दौरान घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज देखने पर दो अज्ञात संदेही स्कूटी चुराते हुए नजर आए। पुलिस ने मुखबिर तंत्र सक्रिय कर मुखाबिर सूचना के आधार पर रविवार को मांगीलाल पिता भेरुलाल खारोल 38 नि. ईश्वर नगर को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से चुराई गई स्कूटी बरामद कर ली।

पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके साथी यशवन्त पिता संजय खटिक 23 नि.ईश्वर नगर को भी उसके घर से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने यशवन्त के घर से चोरी में प्रयुक्त की गई स्कूटी भी जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार दोनो आरोपियों के विरुद्ध पूर्व से आपराधिक प्रकरण दर्ज है।

नए साल में ही होगा नर्मदा-शिप्रा बहुउद्देशीय योजना का लोकार्पण

साढ़े चार साल गुजरने के बाद भी मुहाने पर आकर रुकी हुई है योजना

उज्जैन 27 नवम्बर गुरु एक्स्प्रेस। 1856 करोड़ रुपये की नर्मदा-शिप्रा बहुउद्देश्यीय योजना का लोकार्पण इस साल होना मुमकिन नहीं है। लोकार्पण अब नए साल 2024 में ही हो पाएगा। वजह, ढाई साल की परियोजना साढे चार साल बाद भी अधूरी न होना है। नर्मदा घाट विकास प्राधिकरण ने घट्टिया और तराना तहसील के किसानों को इस वर्ष रबी सीजन (अक्टूबर से दिसंबर) में खेतों की सिंचाई के लिए नर्मदा का पानी देने का जो वादा किया था वो भी अब तक पूरा न हो पाया है। इंतहा ये है कि इस महत्वपूर्ण परियोजना को समय सीमा में पूरा न कराने को लेकर न किसी अफसर पर कार्रवाई हुई है और ना किसी जिम्मेदारी जनप्रतिनिधि पर। परियोजना पूरी करने में बाधा बना जमीन विवाद अब भी उलझा पडा है। ऐसा ही मामला होटल नक्षत्र के पीछे की जमीन का है जहां पाइप लाइन बिछाने को प्रशासन राजनीतिक गतिरोध होने से अब तक जमीन उपलब्ध न करा सका है।

शिवराज ने किया था भूमिपूजन

मालूम हो कि उज्जैन, नागदा, उन्हेल के लोगों की पेयजल एवं औद्योगिक जरूरतों को नर्मदा के जल से पूरा कराने और घट्टिया के 7 और तराना के 77 गांवों की 30 हजार हेक्टेयर जमीन को सिंचने के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 26 सितंबर 2018 को नर्मदा-शिप्रा बहुउद्देशीय योजना का भूमिपूजन किया था।

तब कहा था कि अगले ढाई वर्ष में (जनवरी 2022 तक) ओंकारेश्वर जलाशय से 15 क्यूसेक (15 घन मीटर प्रति सेकंड) नर्मदा का जल शिप्रा, गंभीर और काली सिंध नदी के कछारों तक 1400 मिलीमीटर व्यास की पाइपलाइन बिछाकर पहुंचाया जाएगा। इससे उज्जैन, शाजापुर, मक्सी में जल संकट सदा के लिए समाप्त हो जाएगा। साढे चार साल गुजरने को आए हैं और योजना अब भी मुहाने पर आकर रुकी हुई है। मुख्य कारण, किसानों की जमीन अधिग्रहित करने में आई और आ रही अड़चनें हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार प्राधिकरण से अनुबंधित एलएंडटी कंपनी 98 प्रतिशत काम पूरा करा चुकी है।

गंभीर की रा-वाटर पाइपलाइन से जोड़ने का काम भी बंद

नर्मदा पाइपलाइन से गंभीर की रा-वाटर पाइपलाइन को जोड़ने (टी-कनेक्शन) का काम कुछ महीने पहले नगर निगम ने शुरू कराया था। वो काम फिलहाल बंद है। कारण, टी-कनेक्शन के लिए पाइपलाइन उपलब्ध न होना

है। बताया है कि ठेकेदार ने पाइपलाइन का कार्य आदेश निर्माता कंपनी को दिया हुआ है, उपलब्ध होते ही बिछाने का काम शुरू किया जाएगा।

उज्जैन में नर्मदा जल लाने को तीन पाइप लाइन

नर्मदा का जल उज्जैन लाने को अब तीन पाइपलाइन उपलब्ध है। एक पाइपलाइन गंभीर बांध से 8 किलोमीटर दूर बिछा रखी है। दूसरी पाइपलाइन इंदौर के गांव मुंडला दोस्तदार स्थित पंपिंग स्टेशन से उज्जैन के त्रिवेणी क्षेत्र तक (1325 मिलीमीटर व्यास की 66.17 किमी लंबी) बिछी है, जिसका लोकार्पण साल-2019 में हुआ था। इस पाइपलाइन के दो आउटलेट हैं। एक त्रिवेणी ब्रिज के पूर्वी तरफ हरियाखेडी गांव में और दूसरा त्रिवेणी मोक्षधाम के किनारे। इस पाइपलाइन को बिछाने पर 139 करोड़ रुपए खर्च हुए थे। दूसरी, पाइपलाइन नर्मदा-शिप्रा बहुउद्देशीय योजना अंतर्गत बिछाई गई है। कहा गया है कि नर्मदा-शिप्रा बहुउद्देशीय योजना अंतर्गत नई पाइपलाइन बिछाने से उद्योगों को भी पानी मिला करेगा। साथ ही शहर में पानी सप्लाई करने में हो रहा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग का खर्च भी घटेगा।

कंपनी को एक करोड़ 88 लाख रुपये मिलेंगे

याद रहे कि गऊघाट से चिंतामन पुल तक 800 एमएम व्यास की 550 मीटर लंबी पाइपलाइन भोपाल की आदि एक्रा प्रोजेक्ट्स कंपनी द्वारा बिछाई जाना है। इस कार्य के एवज में कंपनी को एक करोड 88 लाख रुपये मिलेंगे। कायदे से काम अब पूर्ण हो जाना था मगर नहीं हो सका है। दावा है कि भविष्य में जब-जब उज्जैन में जल संकट गहराएगा, नर्मदा का शुद्ध पानी सीधे पाइपलाइन के जरिये गऊघाट वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पहुंचाकर पूरे शहर में प्रदाय कराया जाएगा। उस स्थिति में शिप्रा में मिला कान्ह का प्रदूषित पानी पीने के लिए शहरवासियों को मजबूर नहीं होना पडेगा।

पाइपलाइन से कनेक्शन लेने के लिए नगरीय निकाय, ग्राम पंचायत, किसान, उद्यमियों को शुल्क चुकाना होगा। नर्मदा जल की वर्तमान कीमत 22 रुपये 60 पैस प्रति घन मीटर है। उज्जैनवालों की पेयजल आपूर्ति करने के लिए सरकार ने

नदियों का पानी उद्योग संचालन और खेतों की सिंचाई के लिए न मिलने से भूजल पर निर्भरता बढती चली जा रही है। बीते चार दशकों से भूजल का अत्यधिक दोहन होने के कारण हर साल ग्रीष्मकाल में आधी आबादी को पानी के लिए परेशान होना पडता है।

सगाई समारोह में सोने के जेवर का बाक्स चोरी, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई दो संदिग्ध युवतियां

रतलाम 27 नवम्बर गुरु एक्स्प्रेस। विवाह समारोह शुरू होने के साथ ही समारोह स्थल से दुल्हन के जेवर चुराने वाली गिरोह सक्रिय हो गए हैं। बरबर रोड स्थित मैरिज गार्डन (अमृत गार्डन) से दुल्हन की मां के बैग से जेवरों का बाक्स चुरा लिया गया। बाक्स में करीब हार, टाप्स सहित 70 ग्राम वजनी सोने के जेवर थे। सीसीटीवी कैमरे में दो संदिग्ध युवतियां कैद हुई है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार मीडियाकर्मी विनोद वाधवा की बहन किरण छाबड़ा की बेटी की रविवार को शादी थी। शनिवार रात सगाई कार्यक्रम रखा गया था। वर पक्ष ने दुल्हन को उपहार में करीब 70 ग्राम वजनी सोने के जेवर उपहार में दिए थे।

बैग में रखा था जेवरों का बाक्स

सगाई कार्यक्रम समाप्त होने के बाद दुल्हन की मां किरण छाबड़ा ने जेवरों का बाक्स अपने बैग में रख लिया था। रात करीब साढ़े आठ बजे स्टेज पर महिला संगीत कार्यक्रम चल रहा था। किरण छाबड़ा कंधे पर बैग टांगकर स्टेज के सामने खड़े होकर कार्यक्रम देख रही थी। इसी बीच वे कुर्सी पर बैठी और साइड में बैग टांग दिया। इस दौरान किसी ने बैक से जेवरों का बाक्स निकाल लिया। कुछ देर बाद उन्होंने बैग देखा तो उसमें बाक्स नहीं था।

पीछे बैठी थी दो संदिग्ध युवतियां

विनोद वाधवा ने बताया कि सीससीटीवी कैमरे चेक करने पर पता चला कि उनकी बहन किरण छाबड़ा के पीछे दो अंजान युवतियां बैठी हुई थी। घटना के बाद वे गायब हो गई। बाहर कार में बैठकर जाते हुए भी दिखाई दे रही हैं।

घटना की सूचना मिलने पर औद्योगिक क्षेत्र थाना प्रभारी राजेंद्र वर्मा दल के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी लेकर आसपास संदिग्ध युवतियों की तलाश की, लेकिन व नहीं मिली। पुलिस फुटेज के आधार पर संदिग्ध युवतियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

मतगणना स्थल पर मोबाईल ले जाना पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा

मंदसौर 27 नवम्बर गुरु एक्स्प्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप सिंह यादव ने बताया कि विधानसभा निर्वाचन 2023 हेतु जिले के विधानसभा क्षेत्र 224 मंदसौर, 225 मल्हारगढ़, 226 सुवसरा एवं 227 गरोठ हेतु मतगणना 3 दिसम्बर को प्रात: 08 बजे से शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मन्दसौर में प्रारंभ होगी। निर्वाचन आयोग के निर्देशो के अनुसार मतगणना स्थल पर मोबाईल पूर्णतया प्रतिबंधित है। मतगणना हेतु संलग्न विभिन्न शासकीय सेवकों, अभ्यर्थियों, गणन अभिकर्ताओं, निर्वाचन अभिकर्ताओं के मोबाईल प्रथम सुरक्षा घेरे के बाहर (श्री कोल्ड चौराहा मंदसौर एवं जैन कॉलेज मंदसौर) में जमा करवाये जाने हेतु सशुल्क व्यवस्था की जावेगी। जिसके लिये शुल्क राशि 50 रूपये निर्धारित रहेगा, जो सैनिक कल्याण निधि में जमा होगा। इन काउन्टर के संचालन हेतु जिला सैनिक कल्याण अधिकारी मंदसौर को प्रभारी नियुक्त किया गया है।

चंबल क्लब ने जीता 7-साइडर का खिताब

मंदसौर 27 नवम्बर गुरु एक्स्प्रेस। चंबल फुटबॉल क्लब द्वारा आयोजित 3 दिवसीय 7-साइडर फुटबॉल टूर्नामेंट में सोमवार को सुबह हुए सेमीफाइनल मुकाबले में साई एफ सी (ए) ने सीएफसी (बी) को 1-0 से तथा चंबल एफ सी (ए) ने ब्लैक टाइगर्स को 1-0 से हराकर फाइनल में

प्रवेश किया।

शाम को हुए कश्मकश फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों ने एड़ी चोटी का जोर लगा कर एक दूसरे पर गोल करने का भरपूर प्रयास किया परंतु फर्स्ट हाफ में दोनों टीमें बराबरी पर रही। दूसरे हाफ में चंबल एफ सी (ए) के आयुष झावा ने विजयी गोल मारकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी जिसको अंत तक साई एफ सी की टीम कम नहीं कर पाई। इस तरह चंबल एफ सी ने साई एफ सी को 1-0 से हराकर 7-साइडर टूर्नामेंट का खिताब अपने कब्जे में किया। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री परमानंद गिरवाल, श्रीमती तेजकुंवर गिरवाल, श्री रघुवीर सिंह मसराम थे। कार्यक्रम का संचालन अंशुल शर्मा ने किया तथा आभार सचिव श्री ईश्वर सिंह चौहान ने माना। फाइनल में विपिन शर्मा, मुजम्मिल काजी, दीपक शर्मा, मुकेश कासट, बाबू गुर्जर, सुरेंद्र प्रताप सिंह, दक्ष गौड़, सय्यम कुदार, प्रतीक रोखले, यश, शुभम, आदि सदस्य उपस्थित थे।

एग्जिट पोल तथा इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार 30 नवम्बर तक पूर्ण प्रतिबंधित रहेगा

मंदसौर 27 नवम्बर गुरु एक्स्प्रेस। मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचरण संहिता के दौरान 7 नवंबर की सुबह 7 बजे से 30 नवम्बर की शाम 6:30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध रहेगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 31 अक्टूबर 2023 को इस आशय की अधिसूचना जारी की गई थी।

श्री राजन ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क में यह प्रावधानित किया गया है कि कोई भी व्यक्ति कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार नहीं करेगा। यदि कोई व्यक्ति प्रावधान का उल्लंघन करेगा, तो ऐसी अवधि के कारावास से जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से, दण्डनीय होगा।

बांद्रा-हरिद्वार एक्सप्रेस में 15 दिन के लिए दो स्लीपर कोच बढ़ेंगे

ट्रेन में नियमित स्लीपर कोच की संख्या 6 से बढ़कर 8 हो जाएगी। इससे यात्रियों को शीतकालीन अवकाश के दौरान टिकट मिल सकेगा।

मंदसौर/शामगढ़ 27 नवम्बर गुरु एक्स्प्रेस। दिल्ली मुंबई रेलमार्ग की प्रमुख ट्रेन बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार देहरादून एक्सप्रेस में अभी शीतकालीन अवकाश के

दौरान 15 दिन के लिए दो स्लीपर कोच बढाए जा रहे हैं। इसके साथ ही इस ट्रेन में 8 स्लीपर कोच हो जाएंगे। हालांकि यह 15 दिसंबर से 1 जनवरी तक ही लगाए जाएंगे।

रेलवे प्रशासन द्वारा शीतकालीन अवकाश के दौरान यात्रियों की सुविधाओं के लिए अतिरिक्त कोच लगाए जा रहे हैं। इसी कडी में ट्रेन 19019/19020 बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार-बांद्रा टर्मिनस देहरादून एक्सप्रेस में भी दो अतिरिक्त स्लीपर कोच लगाए जाएंगे। बांद्रा टर्मिनस-हरिद्वार में 15 दिसंबर से 31 दिसंबर तक एवं हरिद्वार-बांद्रा टर्मिनस में 16 दिसंबर से 1 जनवरी तक दो स्लीपर कोच बढाए जाएंगे।

स्लीपर कोच की संख्या 6 से बढ़कर 8

इससे ट्रेन में नियमित स्लीपर कोच की संख्या 6 से बढकर 8 हो जाएगी। इससे यात्रियों को शीतकालीन अवकाश के दौरान टिकट मिल सकेगा। इस अवधि में ट्रेन में 1 फर्स्ट एसी, 2 सेकंड एसी, 6 थर्ड एसी, 8 स्लीपर, 2 सामान्य, 1 जनरेटर कार, 1 एसएलआरडी एवं 1 पार्सलयान सहित कुल 22 कोच रहेंगे।

कोटा रेल मंडल के वरिष्ठमंडल वाणिज्य प्रबंधक, जनसंपर्क अधिकारी रोहित मालवीय ने बताया कि सभी संबंधित स्टेशनों और कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है। साथ ही यात्रियों से अनुरोध हैं कि ट्रेन में बढाए गए अस्थाई अतिरिक्त स्लीपर कोच की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, एनटीइएस, रेल मदद 139 एवं आनलाइन प्राप्त कर सकते हैं।

संसद का शीतकालीन सत्र 4-22 दिसंबर तक चलेगा, 2 दिसंबर को सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

नईदिल्ली 27 नवम्बर। चार दिसंबर 2023 से 22 दिसंबर 2023 तक संसद का शीतकालीन सत्र चलेगा. सरकार ने दो दिसंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई है ताकि सत्र के दौरान बिना किसी बाधा के कार्यवाही चल सके. संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी है। आमतौर पर सर्वदलीय बैठक सत्र शुरू होने से एक दिन पहले बुलाई जाती है, लेकिन इस बार तीन दिसंबर को पांच राज्यों में वोटों की गिनती होनी है. इसके चलते बैठक दो दिसंबर को बुलाई गई है. मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मिजोरम और तेलंगाना में विधानसभा के चुनाव हो रहे हैं. तेलंगाना में 30 नवंबर को मतदान होगा. बाकी के चार राज्यों में मतदान हो चुका है.

विधानसभा चुनाव के नतीजों का सत्र पर पड़ेगा असर- विधानसभा चुनाव के नतीजों का सत्र पर बडा असर पडेगा. शीतसत्र के दौरान सरकार की योजना कई प्रमुख विधेयकों को पारित करने की है. तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ कैश-फॉर-क्वेरी आरोपों पर आचार समिति की रिपोर्ट संसद के इस शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में पेश की जाएगी. आचार समिति ने मोइत्रा को सदन से निष्कासित करने की सिफारिश की है. इसको लेकर हंगामा हो सकता है।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति विधेयक पर हो सकती है चर्चा- संसद में लंबित एक अन्य प्रमुख विधेयक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित है. सत्र के दौरान सरकार इसे पास कराने की कोशिश करेगी. इसपर चर्चा

कराई जा सकती है. इस विधेयक को मानसून सत्र में पेश किया गया था. इस विधेयक को सरकार ने विपक्ष और पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों के विरोध के बीच संसद के विशेष सत्र में पारित करने पर जोर नहीं दियां

कार्तिक मास में निकली भगवान महाकाल की दूसरी सवारी

उज्जैन 27 नवम्बर गुरु एक्स्प्रेस। कार्तिक पूर्णिमा पर सोमवार को राजाधिराज महाकाल रजत पालकी में सवार होकर तीर्थ पूजन के लिए मोक्षदायिनी शिप्रा के रामघाट पहुंचे। सवारी मार्ग पर अवंतिकानाथ की एक झलक पाने के लिए आस्था का सैलाब उमडा। देशभर से आए हजारों भक्तों ने भगवान महाकाल के दर्शन किए। कार्तिक अगहन मास में निकलने वाली सवारियों के क्रम में 4 दिसंबर को अगहन मास की पहली सवारी निकलेगी।शाम 4 बजे प्रशासक संदीप कुमार सोनी ने भगवान महाकाल के मनमहेश रूप का पूजन कर पालकी को नगर भ्रमण के लिए रवाना किया।

मंदिर के मुख्य द्वार पर शस्त्रबल की टुकडी ने राजाधिराज को सलामी

दी इसके बाद कारवा शिप्रा तट की ओर रवाना हुआ। महाकाल मंदिर से शुरू होकर सवारी कोटमोहल्ला, गुदरी चौराहा, बक्षी बाजार, कहारवाडी, रामानुजकोट होते हुए शिप्रा के रामघाट पहुंची। यहां महाकाल पेढी पर पालकी को विराजित कर पुजारियों ने भगवान महाकाल व तीर्थ का पूजन किया।

पश्चात सवारी राणौजी के छत्री घाट से होते हुए शिप्रा के छोटे पुल, गणगौर दरवाजा, कार्तिक चौक, ढाबारोड,टंकी चौराहा, गोपाल मंदिर, पटनी बाजार होते हुए शाम 6.30 बजे पुन: मंदिर पहुंची। पं.महेश पुजारी ने बताया कार्तिक मास की आखिरी सवारी में पूर्णिमा का संयोग बना। कार्तिक पूर्णिमा पर तीर्थ पूजन का विशेष महत्व है।

ऐसे शुभ दिन समस्त चराचर जगत की खुशहाली के लिए पुजारियों ने शिप्रा तट पर भगवान महाकाल की ओर से तीर्थ का पूजन किया। भगवान महाकाल की सवारी में बीते 35 सालों से सेवा दे रहे भस्म रमैया भक्त मंडल ने कार्तिक अगहन मास की दूसरी सवारी में भी जोरदार प्रस्तुति से समा बांध दिया।

मंडल के करीब 50 सदस्य मंडल प्रमुख मौनी बाबा डमरू वाले के सानिध्य में झांझ डमरू बजाते निकले। शिव प्रिय वद्यों की मंगल ध्वनी से धर्मधानी गुंजायमान हो गई। सवारी में शामिल भस्म रमैया रथ भी खासे आकर्षण का केंद्र रहा। रथ पर सवार वाद शहनाई व नगाडे बजाते निकले।

कार्तिक-अगहन माह में सोमवार को भगवान महाकाल की दूसरी सवारी निकाली गई। सभा मंडप में विधिवत पूजन के बाद शाम चार बजे राजाधिराज की पालकी शाही ठाठबाट के साथ नगर भ्रमण के लिए रवाना हुई। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र बल की टुकडी ने अवंतिकानाथ को सलामी दी।

इसके बाद कारवां शिप्रा तट की ओर रवाना हुआ। महाकाल मंदिर से शुरू होकर सवारी मोक्षदायिनी शिप्रा के रामघाट पहुंची। यहां पुजारी शिप्रा जल से भगवान महाकाल का अभिषेक कर पूजा-अर्चना की। पश्चात सवारी शिप्रा के राणोजी छत्री घाट के रास्ते शिप्रा के छोटे पुल आदि से होते हुए शाम सात बजे पुन: महाकालेश्वर मंदिर पहुंचेगी।

संयुक्त उठावना

(महिला एवं पुरुष)

स्व. सेठ सेवारामजी बाबानी के सुपुत्र, स्व.सेठ लीलारामजी एवं स्व. सेठ गागनदासजी के अनुज भ्राता

रमेश व सुरेश के काकाजी, दिनेश अनिल एवं राजेश बाबानी के पूज्य पिताजी श्री कन्हैयालाल बाबानी का स्वर्गवास हो गया है जिनका संयुक्त उठावना (महिला एवं पुरुष) दिनांक 29 नवम्बर 2023 बुधवार को शाम 4 बजे श्री झूलेलाल सिंधु महल लक्कड पीठा धानमंडी मंदसौर पर होगा।

शोकाकुल
समस्त बाबानी परिवार

रेल लाइन दोहरीकरण...

दिसंबर में पूरा होगा 27 ब्रिजों का निर्माण

मंदसौर, 27 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। चित्तौडगढ़-नीमच रेल खंड का दोहरीकरण पूर्ण हो गया। अब 132 किमी लंबे रतलाम-नीमच रेल खंड का दोहरीकरण चल रहा है। इसमें नीमच से मल्हारगढ तक दोहरीकरण के लिए फार्मेशन (अर्थ वर्क) और 27 मेजर व माइनर ब्रिज निर्माण कार्य चल रहा है। यह कार्य दिसंबर तक पूर्ण होने के साथ दोनों ट्रैक पर पटरियां बिछाने का काम शुरू होगा। रेलवे के अनुसार मार्च-2024 तक नीमच से मल्हारगढ तक दोहरीकरण पूर्ण होने के साथ ट्रेनें चलना शुरू हो जाएंगी। जबकि, शेष मल्हारगढ से दलौदा और दलौदा से रतलाम तक का ट्रैक पूर्ण करने का लक्ष्य दिसंबर-2024 तक का है।

नीमच से रतलाम रेल खंड के बीच अलग-अलग सेक्टर में दोहरीकरण तेज गति से चल रहा है। यदि सब कुछ तय शेड्यूल के अनुसार हुआ तो अगले साल दिसंबर-2024 तक नीमच से रतलाम के बीच 132 किमी लंबे ट्रैक पर दोहरीकरण पूर्ण होकर ट्रेनों का संचालन शुरू हो जाएगा। पहले चरण में नीमच से मल्हारगढ तक के कार्य पूर्ण करने लक्ष्य रखा है। इसके तहत हर्कियाखाल व मल्हारगढ स्टेशन की नई बिल्डिंग बनाने और स्टेशन की लंबाई बढाने और फुट ओवरब्रिज बनाने का काम भी चल रहा है। दूसरी तरफ दोहरीकरण के तहत पटरियां बिछाने के पहले फार्मेशन (अर्थ वर्क) और ब्रिज निर्माण तेजी से चल रहा है। अधिकांश जगह लगभग काम पूर्ण हो चुका है और शेष काम इसी साल दिसंबर तक पूर्ण करने की सीमा तय है।

नीमच से लेकर मल्हारगढ तक दूसरे ब्रॉडगेज ट्रैक पर सीमेंट-कांक्रीट के नए स्लीपर भी अधिकांश जगह ट्रैक पर उतर चुके हैं। पटरियां भी आने लगी हैं। अर्थ वर्क पूर्ण होते ही स्लीपर बिछाने के साथ पटरियां बिछाने का काम भी शुरू हो जाएगा। नीमच से मल्हारगढ के बीच 27 मेजर व माइनर ब्रिज का निर्माण हो रहा है। इसमें मेजर अर्थात बड़े ब्रिज नीमच में शिवघाट, हर्कियाखाल नदी, जमुनिया, चल्दू नदी और मल्हारगढ में बनेंगे।

ना झूला.... पेज 1 से जारी

को मिला और नहीं खरीददारी करने के लिए दुकाने सजी हुई मिली। परंतु टाट्या प्रवाहित कर दर्शन कर धर्म लाभ लिया। मेले के बाजार में अच्छी भीड दिनभर दिखाई दी।

पांच दिन ऐसे ही निकल गए...

23 नवंबर से 20 दिवसीय मेले की शुरुआत हो चुकी है। लेकिन, मेला अपने रंग में आना तो दूर शुरू तक नहीं हो पाया है। ऐसे में लोगों में नाराजी है। लगता है की इस बार मेला 20 दिन का ना होकर सिर्फ एक सप्ताह का हो कर रह जाएगा। विशेषकर कार्तिक पूर्णिमा का लोगो सहित व्यापारियों को इंतजार रहता है। क्योंकि, कार्तिक पूर्णिमा पर हजारों की संख्या में लोग पशुपतिनाथ मंदिर पहुंचते है। जिससे व्यापारियों को भी अच्छी ग्राहकी मिलती है। लेकिन, जिम्मेदारों के सुस्त रवेये से इस बार व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ा।

एजेंसी देना है

शामगढ़, मल्हारगढ़ व धुधड़का में

दैनिक **गुरु एक्सप्रेस**

की एक और एजेन्सी देना है। इच्छुक व्यक्ति दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक संपर्क करें।

9425105927, 28-07422-495831

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

15, नपा मार्केट, नयापुरा रोड़, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक- आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in